

187



न्यायालय म.प्र.राजस्व मण्डल केन्द्र ग्वालियर मध्यप्रदेश

प्रकरण क्रमांक:-

/11/ निगरानी R-720-II/2011

भगवतीलाल पिता श्यामसुन्दर सोनी उम्र 64
साल धंधा व्यापार निवासी 102, चौदनी चौक
रतलाम (म.प्र.)

.....आवेदक

विरुद्ध

01. प्रकाशचन्द्र पिता माणकलाल सेठिया निवासी
51, बिचलावास रतलाम (म.प्र.)

02. मध्यप्रदेश शासन

.....अनावेदकगण

पुनरीक्षण प्रार्थना-पत्र अर्न्तगत धारा 50 म.प्र.भू.रां. संहिता विरुद्ध अधीनस्थ
न्यायालय अपर आयुक्त महोदय उज्जैन संभाग केन्द्र उज्जैन के प्रकरण
क्रमांक 158/08.09/निगरानी में पारित आदेश दिनांक 24/02/2011 से
असन्तुष्ट एवं दुखित होकर निम्न कारणों के आधार पर पुनरीक्षण अन्दर
अवधि प्रस्तुत करता है।

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

यह कि प्रकरण के संक्षिप्त में तथ्य इस प्रकार है कि ग्राम राजगढ़ प0ह0न0
21 में एक भूमि सर्वे नं0 101 आवेदक के स्वत्व की स्थित थी, तथा बाद में इस भूमि
के बटे नं0 हुए जिसमें बटा नं0 101 से 107 बना है, जिसके भूमि स्वामी आवेदक
भगतवीलाल तथा रामनाथ, गीताबाई, द्वारकाप्रशाद जोरालुद्धी, सलोनी, मसिह,
प्रेमादेवी, आदि है तथा इन सर्वे नं0 में अनावेदक का खसरे में कहीं नाम नहीं है।

यह कि इस भूमि के सम्बन्ध में साम्पतिक न्यायालय में विवाद चल रहे हे व
एक व्यक्ति दिलीप सुराणा षड़यंत्र कर जमीन को पुनः नपवाना चाहता हे जबकि पूर्व
में कई बार भूमि नप चुकी है जो न्यायालय के आदेश से भी कमिश्नर द्वारा नप्ती की
जा चुकी है।

Handwritten signature



Handwritten mark

187

172

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
प्रकरण क्रमांक- निगरानी-720/दो/2011

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
30-8-19	<p>आवेदक व आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। प्रकरण का अवलोकन किया गया। आदेश पंजिकाओं के अवलोकन से स्पष्ट है कि आवेदक दिनांक 19/04/2017 से लगातार अनुपस्थित है। जिससे प्रतीत होता है कि आवेदक को प्रकरण को चलाये रखने में कोई रुचि नहीं है। अतः यह प्रकरण आवेदक की अरुचि में इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है।</p> <p style="text-align: right;">(महेश चन्द्र बाघरी) सदस्य</p>	